# अर्द्धवार्षिक परीक्षा

MVP

समय : 3.00 घंटे | कक्षा–12 | पूर्णांक : 100

## साहित्यिक हिन्दी

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) छायावादोत्तर युग की पत्रिका है– 1
   (अ) हंस (ब) हिन्दी प्रदीप (स) कादम्बिनी (द) इन्दु
   (ख) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के रचनाकार हैं– 1
   (अ) मोहन राकेश (ब) धर्मवीर भारती (स) अज्ञेय (द) महादेवी वर्मा
   (ग) जय शंकर प्रसाद का नाटक है– 1
   (अ) ध्रुवस्वामिनी (ब) ध्रुवदेवी (स) धुवा (द) कौमुदी महोत्सव
   (घ) 'आवारा मसीहा' के रचनाकार हैं– 1
   (अ) अज्ञेय (ब) यशपाल (स) विष्णु प्रभाकर (द) मोहन राकेश
   (ङ) 'बेईमान की परत' किस विधा की रचना है– 1
   (अ) कहानी (ब) निबन्ध (स) नाटक (द) यात्रा वृतान्त
2. (क) प्रेमाश्रयी काव्यधारा के दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 2
   (ख) गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित दो ग्रन्थों के नाम लिखिए। 2
   (ग) रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि का नाम लिखिए। 1
3. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10

   कहते हैं, दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है! केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती? सारा संसार का अखाड़ा ही तो है।

   (क) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक व पाठ का नाम स्पष्ट कीजिए।
   (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
   (ग) प्रस्तुत गद्यांश में किस प्रसंग की चर्चा की गई है?
   (घ) लेखक ने गद्यांश में किस प्रकार के लोगों को स्वार्थी कहा है?
   (ङ) 'सारा संसार का अखाड़ा ही तो है' पंक्ति का क्या आशय है?
4. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10

   तरनि–तनूजा तट तमाल तरूवर बहु छाए।
   झुके कूल सों जल परसन हित मनहु सुहाए।।
   किधौं मुकुर में लखत उझकि सब निज–निज सोभा।
   कै प्रनवत वारन तीर को सिमिटि सबै छाए रहत।
   कै हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

   (क) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम बताइए।
   (ख) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।
   (ग) तट पर वृक्ष किस रूप में दिखाई पड़ रहे हैं?
   (घ) वृक्ष जल–दर्पण में क्या देखना चाहते हैं?
   (ङ) 'मनु आतप वारन तीर' में अलंकार बताइए।
5. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 6

P.T.O.

modelpaper.info

(अ) जी० सुंदर रेड्डी (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी (स) वासुदेव शरण अग्रवाल

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। 6

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (स) जयशंकर प्रसाद

7. 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5

8. स्वपठित खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए। 5

9. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 10

प्रस्तरेषु च रम्येषु विविधा कानन द्रुमाः।
वायुवेगप्रचलिताः पुष्पैरवकिरन्ति गाम्।।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणामृ परस्परमैत्री सहयोग कारणानि, विश्ववनधुत्वस्य, विश्वाशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलालनेहरू महोदस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीन देशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशील सिद्धान्तानाधिकृत्य एवाभवत्।

9. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 4

(क) कः कालः प्रचुरमन्त्रश्च भवति? (ख) व्यासः किं रचितवान्?

(ग) मूर्खाणाः कालः कथं गच्छति?

10. (क) करूण अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) रोला अथवा सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) अनुप्रास अथवा सन्देह अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 12

(क) कोरोना : वैश्विक महामारी (ख) स्वच्छ भारत अभियान

(ग) हमारा पर्यावरण (घ) कम्प्यूटर शिक्षा के लाभ

12. (क) 'रमेशः' अथवा 'पावकः' का सन्धि विच्छेद कीजिए। 2

(ख) 'भू' धातु लट्लकार, मध्यम पुरूष, एकवचन का रूप लिखो। 2

(ग) 'नीलाम्बुजम्' अथवा 'त्रिलोकी' में समास का नाम बताइए। 2

(घ) 'धनवान्' अथवा 'विद्वत्वम्' शब्द में धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए। 2

13. किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 8

(क) हमें राष्ट्र भाषा का आदर करना चाहिए।

(ख) मैं कल वाराणसी जाऊँगा।

(ग) कश्मीर की शोभा पर्यटकों का मन मोह लेती है।

(घ) दरिद्र को भिक्षा देना पुण्यकार्य है।

(ङ) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो।

(च) हिमालय से गंगा निकलती है।

modelpaper.info